5. *पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं–बच्चों का उड़ान से कैसा संबंध बनता है?* [CBSE (Delhi) 2009 (C)]

उत्तर पतंग बच्चों की कोमल भावनाओं की परिचायक है। जब पतंग उड़ती है तो बच्चों का मन भी उड़ता है। पतंग उड़ाने के समय बच्चे अत्यधिक उत्साहित होते हैं। पतंग की तरह बाल-मन भी हिलोरें लेता है। वह भी आसमान की ऊँचाइयों को छूना चाहता है। इस कार्य में बच्चे रास्ते की कठिनाइयों को भी ध्यान में नहीं रखते।

class 12th
sub hindi date
29/4/20
learn and write in fair
notebook

6. *निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़ कर प्रश्नों का उत्तर दीजिए।*

(क) *छतों को भी नरम बनाते हुए*
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए

(ख) *अगर वे कभी गिरते हैं छतों के खतरनाक किनारों से*
और बच जाते हैं तब तो
और भी निडर होकर सुनहले सूरज के सामने आते हैं।

(i) *दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने का क्या तात्पर्य है?*

(ii) *जब पतंग सामने हो तो छतों पर दौड़ते हुए क्या आपको छत कठोर लगती है?*

(iii) *खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद आप दुनिया की चुनौतियों के सामने स्वयं को कैसा महसूस करते हैं?*

उत्तर (i) इसका तात्पर्य है कि पतंग उड़ाते समय बच्चे ऊँची दीवारों से छतों पर कूदते हैं तो उनकी पदचापों से एक मनोरम संगीत उत्पन्न होता है। यह संगीत मृदंग की ध्वनि की तरह लगता है। साथ ही बच्चों का शोर भी चारों दिशाओं में गूँजता है।

(ii) जब पतंग सामने हो तो छतों पर दौड़ते हुए छत कठोर नहीं लगती। इसका कारण यह है कि इस समय पतंग पर ही सारा ध्यान होता है। हमें कूदते हुए छत की कठोरता का अहसास नहीं होता। हम पतंग के साथ ही खुद को उड़ते हुए महसूस करते हैं।

(iii) खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद हम दुनिया की चुनौतियों के सामने स्वयं को अधिक सक्षम मानते हैं। हममें साहस व निडरता का भाव आ जाता है। हम भय को दूर छोड़ देते हैं।

कविता के आसपास